Title: Regarding suicide committed by a worker of N.T.C. Cotton Mill and his family in Kanpur.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : अध्यक्ष जी, 24 अप्रैल के समाचार पत्रों में सब ने पढ़ा होगा कि कानपुर के नौबस्ता थाने के अंतर्गत, संजय गांधी नगर में श्री राम विलास पाल ने अपनी पत्नी सरला पाल, तीन बेटियों - सीमा, सोनू, रेणू और लड़के सुनील के साथ गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर ली है। 6 के 6 शवों के फोटो अमर उजाला के मुख-पृठ पर छपे हैं। पूरे परिवार ने गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। राम विलास स्वदेशी कॉटन मिल में चालक के पद पर कार्यरत था। कानपुर किसी जमाने में इंडिया का मानचेस्टर कहलाता था। उत्तर प्रदेश का आदमी इस निश्चय के साथ कानपुर पहुंचता था कि वहां जाकर किसी न किसी कॉटन मिल में उसे नौकरी मिल जाएगी। इसी प्रकार से संपूर्ण भारत के लोग मुम्बई इसलिए जाते थे कि किसी न किसी कॉटन मिल में उन्हें काम मिल जाता था। कानपुर की चाहे नेशनल टैक्सटाइल कॉरपोरेशन हो, चाहे एल्गिन मिल हो, लाल इमली मिल हो या स्वदेशी कॉटन मिल हो, आज सभी बीमार पड़ी हुई हैं और बंद हो चुकी हैं। हजारों की संख्या में मजदूर बेरोजगार हैं। इससे पूर्व भी इस हाउस में कानपुर के मिल-मजदूरों की दुर्दशा, उनके द्वारा आत्महत्या के बारे में चर्चा हो चुकी है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी को यह कहना चाहूंगा कि राम विलास पाल के बेटे अनिल कुमार ने 10 हजार रुपये का कर्जा कमलेश दूबे नाम के सिहापी से 10 प्रतिशत ब्याज के हिसाब से लिया। उधार न चुका पाने पर कमलेश ने अनिल को गायब कर दिया। अनिल के बाद चालक रखकर एक टेम्पो चलवाया तो आरटीओ द्वारा सीज कर दिया गया। मेरा कहना यह है कि इस पर उचित कार्रवाई हो। यह कोई पहली घटना नहीं है। मिर्जापुर में गरीबी से तंग आकर एक महिला ने तीन बच्चों सहित 17 तारीख को जहर खा लिया। इसी तरह से 16 तारीख को गाजियाबाद के बम्हैटा गांव में गरीबी से परेशान महिला ने तीन बच्चों के साथ जलकर मौत को गले लगाया।

MR. SPEAKER: Only Shri Ramdas Athawale will go on record now.

...(व्यवधान)... *

अध्यक्ष महोदय : बघेल जी, सदन में पेपर पढ़ा नहीं जा सकता। आप बैठ जाइये, आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है। श्री रामदास आठवले, आप अपनी बात कहिये।